

तारीख

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

20-6-16

दस्तावली नं. 344 के फार शि वि. 1 मुं
 मैना पादर के अदालत में पेश है।
 वादी श्रीकरलाल उपस्थित एवं वादी
 वसुन्नाल अनुपस्थित। वादी श्रीकरलाल
 ने बताया कि वादी वसुन्नाल घर गया
 हुआ है, उसी तरफ से भी मैं उपस्थित हुआ हूँ।

(Handwritten signature)

प्रतिवादी गण धारण्ड सुपना के अनुपस्थित।
 अतः प्रतिवादी गण के विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही
 के आदेश दिये जाते हैं। वादी श्रीकरलाल ने
 उपरोक्त बताया कि वाद पत्र में वर्णित
 भूमि हम वादी गण ने प्रतिवादी गण के जैसे
 बजिर रई विक्रय से प्राप्त की है, तब से हमारा
 ही कब्जा काश्त है, किन्तु श्री बेंक के
 नाम करने से अभी तक हमारे नाम
 राजस्व बकाय में दर्ज नहीं हो सका है।

हमें दस्तावली का अवलोकन किया।
 वादी गण वसुन्नाल, श्रीकरलाल वि. 2 वजी
 श्रीलाल विवासी रामेला ने गुरु रामेला की
 आशानी ख. 128 मी 0-20 तें ख. 131
 0-35 मी 0-20 तें, ख. 133 मी 0-20 तें
 0-47 तें 0-03 तें, ख. 686 मी 0-20 तें
 कुल कित्ता परकब 0-59 तें श्रीलाल जयें बजिर रई

विक्रय पत्र कुल 180 दि. 21-1-2010 प्रतिवादी गण
 एकती, बजिया, धार रचन, वि. 2 रंग का लिम
 अर्थात् चतुर्थी बेवा रंग श्रीलाल वि. रामेला से
 प्राप्त की है, विक्रय पत्र में नामा. नं. 16/6-2-90
 में एकती, बजिया, धार रचन, वि. 2 रंग का लिम।
 अ. 008 भागवपुरी के नाम दर्ज होने का
 नोट अंकित है इस कारण वादी फता

अदालत
 न मुक

साधारणतया दर्ज न होकर सभी एक
 नाम के रेकार्ड में वादी के नाम दर्ज नहीं
 हो सके हैं, एवं प्रतिवादी के खाते में ही दर्ज हैं।
 विक्रम क्रम में प्रतिवादीगणों (विक्रेताओं) ने
 कहला वादी (क्रेताओं) के संमेलन का
 निवेदन तथा निवेदन है कि क्रेता स्वयं उनके
 अलाधिकारी, वारिस या अग्नि हस्तांकिली उक्त
 भूमि का उपयोग एवं उपयोग अपनी इच्छा
 अनुसार कर सके, इस विक्रम एवं हमारे
 अलाधिकारी किसी प्रकार की बाधा नहीं गलेंगे।
 इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रतिवादीगण ने
 वाद क्रम में वर्णित भूमि का विक्रम वादीगण
 को कर वादीगण को कहला संमेलन दिया है।
 वर्तमान में वाद क्रम में वर्णित भूमि का स्था-
 भित्ति उक्तानुसार वादीगण का है।

आतः प्रतिवादीगण एकजी, लक्ष्मी
 शिवचक्र पिठ रंग व पत्तरी पत्नी-रघु
 रंग को अर्थात् निवेदन के माध्यम
 किया जाता है कि वे वाद में वर्णित
 आदालती गुण समेलन ख.न. 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000

अकषा २-२०२० किता ५ अकषा १०-५९२६
 जो अकषा २ विक्रम पत्र के अंकित है
 पर वादागण को अंगितपूर्ण कक्षा के उचित
 स्वत एव अम्न किमी के द्वारा व्यवधान
 प्रदान करे व वादागण को अंगित
 पूर्वक काशत करने दी जाये। डिक्री
 जारी हो कर फतावली के नाम सुअर
 हो कर दोस्वम दफतर ले

